राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 अंक – 231 जौनपुर शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

ब्लॉक स्तरीय मुख्यमंत्री उदीयमान/प्रोत्साहन खिलाड़ी उन्नयन योजना प्रतियोगिता प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। राजा महेंद्र प्रताप प्रेम विद्यालय इंटर कॉलेज गुरुकुल नारसन, हरिद्वार के मैदान में दो दिवसीय मुख्यमंत्री उदीयमानध्प्रोत्साहन खिलाड़ी उन्नयन योजना प्रतियोगिता जिला खेल कार्यालय हरिद्वार के सौजन्य से प्रारंभ हुई, यह प्रतियोगिता 11 अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर 12 अप्रैल 2025 तक चलेगी। प्रतियोगिता के पहले दिन बालक वर्ग तथा दूसरे दिन बालिका वर्ग के प्रतिभागी भाग लेंगे। ब्लॉक खेल समन्वयक पवन राणा ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर चयनित प्रतिभागी जिला पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे पहले दिन 78 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मेडिसिन बॉल, 6× 10 मी शटल रन, 800 मीटर रेस, 30 मी फ्लाइंग स्टार्ट, वर्टिकल जंप, है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने सूरतगढ़ बिजलीघर का निरीक्षण किया

राजस्थान। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को 'सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन' पहुंचे और इसका निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली उत्पादन इकाइयों का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए, जिससे गर्मी के मौसम में किसानों व आमजन को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। बिजली घर में अधिकारियों के साथ बैठक में शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि बिजलीघर के सभी तकनीकी पहलुओं का समय–समय पर निरीक्षण किया जाए, ताकि विद्युत उत्पादन प्रभावित नहीं हो तथा तकनीकी खराबी के कारण उत्पादन इकाइयों के 'शट डाउन' जैसी स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने सभी इकाइयों की विद्युत उत्पादन क्षमता की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नवीन तकनीक से कम लागत में प्रदेश के बिजली उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। वहीं, बिजली केंद्र में 100 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जा चुका है। इन अहम निर्णयों से राज्य सरकार का किसानों को दिन में बिजली देने का संकल्प पूरा होगा। इससे पहले, शर्मा ने बुड्ढा जोहड़ में श्री बिश्नोई मंदिर (डाबला) में दर्शन कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने ऐतिहासिक गुरुद्वारे में भी मत्था टेका।

रांची के निकट सड़क किनारे एक गड्ढे से पुलिस ने दो शव बरामद किए

रांची। रांची के बाहरी इलाके में सड़क के किनारे एक गड्ढे में दो लोगों के शव मिले हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह दुर्घटना थी या हत्या, क्योंकि घटनास्थल से एक पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। शव टाटीसिलवई थाना क्षेत्र में आरा गेट और सेनेटोरियम के बीच नमक के एक गोदाम के पास से बरामद किए गए। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) अमर कुमार पांडे ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "घटनास्थल से एक रिवॉल्वर और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। इसलिए, यह पता लगाने के लिए हरसंभव पहलू से मामले की जांच की जा रही है कि यह महज एक दुर्घटना थी या हत्या।" उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पांडे ने कहा कि मृतक पुरुषों की उम्र करीब 25 वर्ष है और वे गुमला जिले के सिसई ब्लॉक के निवासी थे।

उनके आदर्श दुनिया भर के अनगिनत लोगों को शक्ति देते हैं' – प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके आदर्श दुनिया भर में अनगिनत लोगों को शक्ति प्रदान करते है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार हमेशा भगवान महावीर की सोच को साकार करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले वर्ष प्राकृत को शास्त्रीय का दर्जा दिया था और इस निर्णय की काफी सराहना हुई थी। पीएम मोदी ने कहा, ''हम सभी भगवान महावीर को नमन करते हैं, जिन्होंने सदैव अहिंसा, सत्य और करुणा पर जोर दिया। उनके आदर्श दुनिया भर में अनगिनत लोगों को शक्ति प्रदान करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जैन समुदाय द्वारा उनकी शिक्षाओं को खूबसूरती से संरक्षित किया गया और लोकप्रिय बनाया गया है। भगवान महावीर से प्रेरित होकर, उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की है और सामाजिक कल्याण में योगदान दिया है। इस साल पूज्य आध्यात्मिक गुरु की 2623वीं जयंती है, जिसे पूरे भारत में श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। जैन धर्म के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक त्योहारों में से एक महावीर जयंती जैन कैलेंडर के अनुसार चौत्र महीने में शुक्ल पक्ष की 13 तारीख को मनाई जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में कुंडलग्राम में हुआ था, जो वर्तमान पटना, बिहार के पास है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को महावीर जयंती के अवसर पर प्रदेश वासियों को बधाई दी। राज भवन से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व और प्रगति के लिए अहिंसा, आध्यात्मिक उन्नति, आत्म–विकास तथा एक–दूसरे के प्रति सौहार्द के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आज अवकाश है और सभी सरकारी प्रतिष्ठान तथा शिक्षण संस्थान बंद हैं। बनर्जी ने 'एक्स' पर लिखा, ''महावीर जयंती के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। भगवान महावीर की शांति, सत्य और अहिंसा की शिक्षा हम सभी को प्रेरित करें। बुधवार को पीएम मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में नवकार महामंत्र दिवस में भाग लिया और 108 से अधिक देशों के लोगों के साथ श्नवकार महामंत्रश का जाप किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक मंत्र नहीं बल्कि आस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि महामंत्र जीवन की कुंजी है और इसका महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह स्वयं से समाज तक सभी को मार्ग दिखाता है और लोगों को भीतर से दुनिया तक की यात्रा प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री ने नवकार महामंत्र दिवस पर लिए जाने वाले नौ संकल्पों की भी सूची बनाई। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को नवकार महामंत्र कार्यक्रम में बिना जूते पहने ही भाग लिया और मंच पर बैठने के बजाय लोगों के बीच बैठना पसंद किया।

भारत में संस्कृति और परंपराओं के प्रति बढ़ी जागरूकता - जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि लंबे समय से उपेक्षित रही परंपराएं और विरासत अब पुनर्जीवित हो गई हैं, अधिक भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त है तथा भारतीय आदतों और प्रथाओं को नया प्रोत्साहन और गति मिल रही है जयशंकर ने कहा कि इसका सार यह है कि इंडिया आज पहले से ज्यादा भारत बन चुका है। जयशंकर ने यहां आईसीसीआर की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) इस परिवर्तन को मान्यता देता है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह इसे अपने भविष्य के कार्यों में शामिल करेगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, खासकर उस परिवेश को देखते हुए जिसमें ये संस्थाएं काम करती हैं। जयशंकर ने कहा, इस अवधि में हमारा राष्ट्र और हमारा समाज काफी बदल गया है। आज हम अपनी पहचान व्यक्त करने और इसकी समझ को बढ़ावा देने के मामले में पहले की तुलना में अधिक आश्वस्त, प्रामाणिक और प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश में हमारी संस्कृति, विरासत और परंपराओं के प्रति जागरूकता काफी बढ़ गई है। जयशंकर ने कहा, वास्तव में हम अपनी परंपराओं के कई पहलुओं पर गर्व महसूस करते हैं, जो अब कई पहल और योजनाओं में दिख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, हमारे पर्यटन को बढ़ावा देना और विश्व धरोहर स्थलों की संख्या में वृद्धि इनमें शामिल हैं।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण मोदी सरकार की कूटनीतिक जीत – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम में कहा कि अविभाजित भारत के मुसलमान विभाजन नहीं चाहते थे, जबकि उस समय के कांग्रेस नेता और उनकी तुष्टिकरण की रणनीति विभाजन के लिए जिम्मेदार है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज मैं विशेषकर देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि बाकी कुछ भी सहन करना, मगर तुष्टिकरण नहीं। क्योंकि यह ऐसा जहरीला नासूर है जिसे देश से हमेशा के लिए उखाड़कर फेंक देना चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण मोदी सरकार की बड़ी कूटनीतिक जीत है। ऐसा इसलिए क्योंकि बम धमाकों के समय जो लोग सत्ता में थे, वे उसे प्रत्यर्पित नहीं कर पाए थे, लेकिन हमने यह कर दिखाया! वक्फ कानून का बचाव करते हुए शाह ने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज जो गरीब है, ओबीसी है, उनको वक्फ में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए या नहीं मिलना चाहिए। शिया, आगाखानी, दाऊदी बोहरा, महमदिया और अहमदिया... इन सारे मुसलमानों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। वो भी मुसलमान हैं, क्यों नहीं मिलना चाहिए। ये जो अभी वक्फ का बिल आया है वो मुस्लिम समाज के हरेक अंग का प्रतिनिधित्व करने वाला बिल है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी ने झूठा दावा किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के लागू होने से लोगों की नागरिकता चली जाएगी। हालांकि, सीएए लागू होने के दो साल बाद भी एक भी मुसलमान की नागरिकता नहीं गई है। शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इंडी गठबंधन के साथ मिलकर इन बेबुनियाद आरोपों से देश को गुमराह किया और इसके बाद हुई अशांति और हिंसा के लिए वे ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी जी को कांग्रेस के लोगों ने जितनी बार गालियां दी हैं, मोदी जी और मजबूत होकर बाहर आए हैं। उनको मालूम नहीं है... हमारा चुनाव चिन्ह कमल है, जो कीचड़ में ही खिलता है। गृह मंत्री ने कहा कि मैं बंगाल की जनता से विनती करना चाहता हूं कि आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दीजिए, ।

उभरती हुई तकनीकें बदल रहीं इसका स्वरूप - राजनाथ

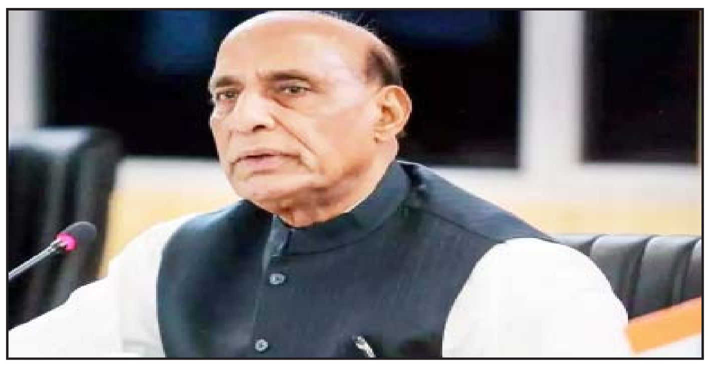

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण तरीकों से निरोध और युद्ध लड़ने में क्रांति ला रही हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध भूमि, समुद्र और हवा के पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर अंतरिक्ष, साइबर, पानी के नीचे और रचनात्मक प्रयास के नए क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने नीलगिरी के वेलिंगटन में डिफेंस स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज के वार्षिक दिवस समारोह में भाग लेते हुए कहा कि वर्तमान में, प्रौद्योगिकी पहले की तरह भू–राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हम 'ग्रे जोन' और मिश्रित युद्ध के युग में हैं जहां साइबर हमले, गलत सूचनाओं का प्रचार और आर्थिक युद्ध ऐसे साधन बन गए हैं जिनसे एक भी गोली दागे बिना राजनीतिक–सैन्य उद्देश्यों को लक्ष्य बनाने के साथ हीउन्हें हासिल भी किया जा सकता है।'' 'ग्रे जोन' से आशय ऐसे कालखंड से हैं जहां युद्ध और शांति के बीच के समय में राज्य और राज्येतर तत्वों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की प्रतिस्पर्धा होती है। इसमेंगैर–परंपरागत तरीकों और रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाता है जो परंपरागत युद्ध के दायरे में नहीं आते। राजनाथ सिंह ने कहा कि एआई और प्रौद्योगिकियों की उभरती हुई टोकरी – रोबोटिक्स, सैन्य स्वायत्तता, ड्रोनरी, क्वांटम, ब्लॉकचेन, अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और इसी तरह की अन्य प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण तरीकों से निरोध और युद्ध लड़ने में क्रांति ला रही हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध भूमि, समुद्र और हवा के पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर अंतरिक्ष, साइबर, पानी के नीचे और रचनात्मक प्रयास के नए क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय वर्ष 2025 के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है, जिसका उद्देश्य भारत के सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत और बहु–डोमेन एकीकृत संचालन में सक्षम युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है। रक्षा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सागर– क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण की नींव रखी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने सागर को और आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल साउथ के लिए एक दृष्टिकोण की घोषणा की है।

कन्हैया कुमार बिगाड़ेंगे तेजस्वी यादव का खेल लालू को सता रहा इस बात का डर

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी–अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में बिहार में पलायन और बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। विपक्ष इस मुद्दे के सहारे चुनावी नैया पार लगाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पलायन और बेरोजगारी के मुद्दे पर महागठबंधन में दो दल यानी कि कांग्रेस और राजद अब आमने–सामने हो गए हैं। दोनों ही दलों की ओर से इस मुद्दे को उठाया जा रहा है। लेकिन इसके जरिए एक ओर जहां तेजस्वी यादव है तो दूसरी ओर कन्हैया कुमार हैं। दावा किया जा रहा है तेजस्वी यादव के एजेंडे को कन्हैया कुमार ने बिहार में पूरी तरीके से लपक लिया है। तेजस्वी यादव लगातार बेरोजगारीस पलायन और शिक्षा को मुद्दा बना रहे हैं। तो वहीं इन्हीं मुद्दों के सहारे कन्हैया कुमार भी बिहार में कांग्रेस की राजनीति को धार देने की कोशिश कर रहे हैं। कन्हैया कुमार बिहार ने पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा निकल रहे हैं। इसके जरिए बेरोजगारी और पलायन को बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। यह कहीं ना कहीं राजद के लिए असहज करने वाली स्थिति हो सकती है। दावा तो यह तक किया जा रहा है कि कन्हैया कुमार की पदयात्रा तेजस्वी के लिए परेशानी की सबब बन सकती है। यह दोनों नेता एक ही गठबंधन के हिस्सा हैं, लेकिन एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। साथ ही साथ दोनों नेताओं की युवाओं में अच्छी पकड़ है। देखना इस बात पर दिलचस्प हो जाएगा कि युवाओं के वोटो को अपनी और कौन खींचने में ज्यादा कामयाब रहता है। लालू यादव की वीटो के बावजूद भी कन्हैया कुमार को कांग्रेस आलाकमान का पूरा साथ मिल रहा है। यही कारण है कि कन्हैया की यात्रा में खुद राहुल गांधी शामिल हुए। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या तेजस्वी यादव के चुनावी मुद्दे को अब कांग्रेसी छीनना चाहती है। पिछले 5–7 सालों में देखें तो तेजस्वी यादव लगातार रोजगार की बात कर रहे हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में 10 लाख नौकरी देने का भी वादा किया था। इस बार भी वह कुछ इसी तरीके का वादा कर रहे हैं। लेकिन कन्हैया कुमार भी इसमें पीछे नहीं है। वह युवाओं से सक्षम बनने की बात कर रहे हैं। रोजगारी की बात कर रहे हैं। लगातार आरक्षण का भी मुद्दा उठा रहे हैं। पलायन को रोकने का भी दावा कर रहे हैं।

दिल्ली में बिजली को लेकर सियासत तेज केजरीवाल ने रेखा गुप्ता सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ती गर्मी के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली की बिजली व्यवस्था को श्नुकसान पहुंचानेश के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, षपिछले दस सालों में हमने दिल्ली की बिजली व्यवस्था को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत की है। कहा जाता है कि किसी भी चीज को ठीक करने में सालों लग जाते हैं, लेकिन इसे सिर्फ दो दिनों में खराब किया जा सकता है केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि कल दिल्ली में पीक डिमांड 5462 ڈ थी। केवल इतने में ही कल रात पूरी दिल्ली में कई जगहों पर कई कई घंटे बिजली नहीं आयी। पिछले साल पीक डिमांड लगभग 8500 ڈ पहुँच गई थी। फिर भी हमारी सरकार के दौरान दिल्ली में कहीं बिजली नहीं गई। आने वाले हफ्तों में जब दिल्ली में गर्मी और बढ़ेगी और बिजली की डिमांड भी बढ़ेगी तो क्या होगा? उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में हमने दिल्ली के बिजली सिस्टम को बड़ी मुश्किल से ठीक किया था। कहते हैं किसी भी चीज को ठीक करने में बरसों लग जाते हैं लेकिन उसे खघ्राब दो दिनों में ही कर दिया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दोपहर 12रू31 बजे दिल्ली में बिजली की मांग 5090 मेगावाट (ڈ) तक पहुंच गई, जो इस सीजन में अब तक की सबसे अधिक मांग है। दिन में बाद में मांग में और वृद्धि होने की उम्मीद है। शहर में अब तक की सबसे अधिक बिजली की मांग 8656 मेगावाट थी, जो जून 2024 में दर्ज की गई थी। इस साल गर्मियों में, दिल्ली में पीक लोड इस सीजन में 9000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को दोपहर 3रू30 बजे बिजली की मांग 5029 मेगावाट (ڈ) दर्ज की गई। बढ़ती गर्मी और कूलिंग उपकरणों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण मांग में यह वृद्धि हुई है। बिजली के बढ़ते इस्तेमाल के साथ–साथ दिल्ली में मौसम भी गर्म हो रहा है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर दोनों पक्षों में सकारात्मकता व उत्सुकता है - सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन की अपनी समकक्ष रेचल रीव्स के साथ 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत–ब्रिटेन आर्थिक व वित्तीय वार्ता (ईएफडी) का बुधवार को समापन किया और द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को जल्द ही पूरा करने की संभावना जाहिर की। लंदन स्टॉक एक्सचेंज में आयोजित वार्षिक वार्ता में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के अनुसार, ईएफडी से 40 करोड़ पाउंड का व्यापार और निवेश बढ़ा है, जिसमें पेटीएम और एमफैसिस जैसी भारतीय कंपनियां शामिल हैं जिन्होंने ब्रिटेन के बाजार के लिए निवेश योजनाएं शुरू की हैं। ईएफडी के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, बैठक में वृद्धि को बढ़ावा देने, द्विपक्षीय वित्तीय सेवा संबंधों को बेहतर बनाने तथा ब्रिटेन औद्योगिक रणनीति, कर, सतत वित्त व अवैध वित्त पर नीतिगत सहयोग को गहरा करने की योजनाएं निधारित की गई हैं। रक्षा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों की भी पहचान की गई, जिसमें भारत–ब्रिटेन रक्षा औद्योगिक खाके को अंतिम रूप दिया गया। इससे औद्योगिक क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को एकीकृत करने की योजना बनाई गई। ईएफडी के बाद सीतारमण ने पत्रकारों से कहा, '' मैं इस वार्ता को बेहद महत्व देती हूं। हमने भारत और ब्रिटेन दोनों के लिए रुचि के विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, '' मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बात की गई जिसके लिए वार्ता जारी है। दोनों पक्षों की ओर से इस पर जल्द निष्कर्ष निकालने के लिए सकारात्मकता, उत्सुकता व समर्पण की भावना व्यक्त की गई। सीतारमण ने कहा, '' हम इसे समाप्त करना चाहते हैं, कुछ मुद्दों पर जो कठिनाइयां हमें हुई हैं...उनसे उबरना चाहते हैं। हम इस पर चर्चा करेंगे और हम निश्चित रूप से इसे अंतिम रूप देंगे, यह मेरी अपेक्षा है।'' ब्रिटेन के राजकोष की चांसलर ने दोनों देशों के लिए आर्थिक वद्धि को बढ़ावा देने में व्यापार और निवेश के महत्व को स्वीकार करते हुए, '' सौदे को पूरा करने में तेजी लाना'' जारी रखने के लिए ब्रिटेन की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। रीव्स ने कहा, '' हम अपने मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क और गैर–शुल्क बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जो देशों के बीच व्यापार को बाधित करती हैं। मेरा मानना घ्है कि मुक्त व खुले व्यापार से देशों को लाभ होता है, जैसा कि निवेश के मुक्त प्रवाह से होता है और इसीलिए हम भारत के साथ मिलकर उन बाधाओं को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, '' हम अपने देशों के बीच व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए किसी मुक्त व्यापार समझौते का इंतजार नहीं कर रहे हैं, जैसा कि आज भारतीय कंपनियों द्वारा ब्रिटेन में तथा ब्रिटेन की कंपनियों द्वारा भारत में महत्वपूर्ण निवेश की घोषणाओं में देखा जा सकता है।' संवाद की मेजबानी करने वाले लंदन स्टॉक एक्सचेंज समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डेविड श्विमर ने कहा, '' प्रगाढ़ साझेदारी से दोनों देशों की सरकारें और नियामक एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं जो उनके वित्तीय बाजारों तथा अर्थव्यवस्थाओं को वास्तविक लाभ पहुंचाए।

भारत में संस्कृति और परंपराओं के प्रति बढ़ी जागरूकता– जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जयशंकर ने कहा कि इसका सार यह है कि इंडिया आज पहले से ज्यादा भारत बन चुका है। जयशंकर ने यहां आईसीसीआर की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) इस परिवर्तन को मान्यता देता है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह इसे अपने भविष्य के कार्यों में शामिल करेगा।'' आईसीसीआर विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, किसी भी संस्था के लिए75 साल विकास और विस्तार का महत्वपूर्ण समय होता है...।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, खासकर उस परिवेश को देखते हुए जिसमें ये संस्थाएं काम करती हैं। जयशंकर ने कहा, इस अवधि में हमारा राष्ट्र और हमारा समाज काफी बदल गया है। आज हम अपनी पहचान व्यक्त करने और इसकी समझ को बढ़ावा देने के मामले में पहले की तुलना में अधिक आश्वस्त, प्रामाणिक और प्रतिबद्ध हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश में हमारी संस्कृति, विरासत और परंपराओं के प्रति जागरूकता काफी बढ़ गई है। जयशंकर ने कहा, वास्तव में हम अपनी परंपराओं के कई पहलुओं पर गर्व महसूस करते हैं, जो अब कई पहल और योजनाओं में दिख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, हमारे पर्यटन को बढ़ावा देना और विश्व धरोहर स्थलों की संख्या में वृद्धि इनमें शामिल हैं।

संपादकीय

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधिा जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतरू निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है।

राजनीतिक हित साधने का जरिया न बने भाषा

विश्वनाथ

महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी को मराठी न बोल पाने की सजा भुगतनी पड़ी। मातृभाषा मराठी के प्रति अतिरिक्त लगाव वाले कुछ मराठी युवाओं ने यह सजा दी थी। उन्हें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का संरक्षण प्राप्त था। अब मनसे के नेता राज ठाकरे ने अपने अनुयायियों से कह दिया है कि महाराष्ट्र में मराठी बोलने की अनिवार्यता के लिए अभियान जारी रखने की आवश्यकता नहीं है। लोग समझ गये हैं। लोग कितना समझे हैं, और राज्य में मराठी भाषा का उपयोग कितना बढ़ जायेगा, यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, लेकिन यह बात तो सहज समझ में आने वाली है कि जो जहां रह रहा है, उसे क्षेत्र–विशेष की भाषा तो आनी ही चाहिए। लेकिन यहीं इस बात की समझ की भी अपेक्षा की जाती है कि हमारा संविधान रोजी–रोटी के लिए कहीं भी आने–जाने, बसने का अधिकार देश के हर नागरिक को देता है। आसेतु–हिमालय सारा भारत देश के सब नागरिकों का है, सबको कहीं भी जाकर बसने का अधिकार है। ऐसे में, क्षेत्र–विशेष की भाषा बोलने की शर्त हर नागरिक के लिए लागू करना शायद उतना व्यावहारिक नहीं होगा, जितना समझा जा रहा है। इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि कोई भाषा न बोल पाने वाला उस भाषा के प्रति अवमानना का भाव रखता है। यहीं इस बात को रेखांकित किया जाना जरूरी है कि अपनी भाषा के प्रति लगाव का भाव होना एक स्वाभाविक स्थिति है, अपनी भाषा के प्रति प्यार और सम्मान का भाव होना ही चाहिए, पर इसका यह अर्थ नहीं है कि हम देश की अन्य भाषाओं के प्रति अवमानना का भाव रखें। देश की सारी भाषाएं हमारी भाषाएं हैं, और हमें सब पर गर्व होना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विभिन्न भाषाओं से समृद्ध हमारे भारत में भाषा के नाम पर विवाद खड़े किये जाते हैं। इस मुद्दे पर कई बार विभिन्न राज्यों में हिंसक घटनाएं भी हो चुकी हैं। उस स्थिति का मुख्य कारण भाषा को राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का माध्यम बनाना है। यह एक हकीकत है कि भाषा की इस राजनीति ने देश के अलग–अलग हिस्सों में अप्रिय स्थितियां पैदा की हैं। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में हमने इस राजनीति के दुष्परिणाम देखे हैं। अब भी समय–समय पर इन दुष्परिणामों की चिंगारियां भड़क उठती हैं। बहरहाल, जहां तक महाराष्ट्र का सवाल है भाषाई आंदोलन यहां के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मराठी संस्कृति और भाषा की रक्षा के नाम पर, मराठी अस्मिता की दुहाई देकर राजनीतिक दलों का गठन तक हुआ है। मराठी मानुष के हितों का नाम लेकर राज्य में समय–समय पर आंदोलन होते रहे हैं। इस संदर्भ में 'मनसे' की हाल की कार्रवाई ऐसा ही एक उदाहरण प्रस्तुत करने वाली है। हमारे देश में राज्यों का गठन भाषाई आधार पर हुआ है। ये भाषाएं हमारी कमजोरी नहीं, ताकत हैं। इसलिए जरूरी है कि हमारी हर भाषा निरंतर समृद्धि की दिशा में बढ़े, बढ़ती रहे। भाषा के विकास का मतलब यही नहीं है कि उसका विस्तार कितना हो गया है अथवा उस भाषा के बोलने वालों की संख्या कितनी बढ़ गयी है। भाषा के विकास का अर्थ यह भी है कि भाषा की क्षमता कितनी बढ़ी है अर्थात नये–नये विषयों को समझने–समझाने में भाषा कितनी सक्षम हो गयी है या होती जा रही है। साहित्य, संस्कृति, कला, विज्ञान आदि क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति में कोई भाषा कितनी समृद्ध है, यही तथ्य उसके विकास का असली पैमाना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज भाषा के नाम पर जो आंदोलन–अभियान चलाये जा रहे हैं उनके पीछे असली मकसद भाषा की समृद्धि नहीं, राजनीतिक हितों को साधने की हवस है। यहां हितों के बजाय स्वार्थ कहना अधिक उपयुक्त होगा। किसी अफसर को राज्य–विशेष की भाषा बोलनी नहीं आती तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे सरेआम थप्पड़ मार दिया जाये। भाषा के हित साधने का यह तरीका अनुचित ही नहीं, आपराधिक भी है। उचित तरीका तो यह है कि हम अपनी भाषा को इतना समृद्ध बनायें कि हर किसी को उसे सीखने, काम में लेने की इच्छा होने लगे। लेकिन हमारे यहां स्थित उल्टी है। तमिलनाडु वाले कहते हैं कि हम पर हिंदी थोपी जा रही है, कर्नाटक वालों को सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी में जानकारी दिये जाने पर ऐतराज है। महाराष्ट्र वालों को शिकायत है कि उनकी भाषा को 'क्लासिकल दर्जा' दिये जाने के बावजूद वह सम्मान नहीं दिया जा रहा जिसकी वह अधिकारी है। और दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि इन सब के पीछे भाषा विशेष के प्रति प्यार या सम्मान का भाव नहीं होता, अक्सर राजनीतिक स्वार्थ ही इसका कारण बनते हैं । यदि बात सिर्फ प्यार या सम्मान की ही है तो राज ठाकरे की चिंता राज्य में मराठी माध्यम के स्कूलों की संख्या का घटना होती। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में दस साल पहले की तुलना में मराठी माध्यम के स्कूल आज कहीं कम हैं। वर्ष 2014–15 में मुंबई महानगर पालिका मराठी माध्यम के 368 स्कूल चलाती थी, आज ऐसे सिर्फ 262 स्कूल हैंदृ अर्थात दस वर्षों में मराठी माध्यम की सौं शालाएं बंद हो गयी हैं! चिंता इस कमी पर होनी चाहिए। पर कोई नहीं पूछ रहा कि यह सौ स्कूल क्यों बंद हो गये। यह तो पूछा जा रहा है कि राज्य में फलां अफसर को मराठी बोलनी क्यों नहीं आती, यह कोई नहीं पूछ रहा कि मराठी माणुस अपने बच्चों को मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़ाना क्यों पसंद नहीं कर रहा? अपनी भाषा के प्रति प्यार और सम्मान के भाव का यह भी एक मतलब है कि हम उसकी क्षमता में विश्वास रखें। अपनी भाषा बोलने–लिखने में गर्व का अनुभव हो हमें। हाल ही में देश की राजधानी में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की अध्यक्ष डा. तारा भावलकर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मराठी भाषा की इसी स्थिति पर चिंता प्रकट की थी। उन्होंने कहा था, 'हम मराठियों ने अपनी भाषा के 'क्लासिकल भाषा' का दर्जा दिये जाने का अभियान चलाया था, और उसे प्राप्त भी कर लिया। हमारी अपेक्षा है कि मराठी निरंतर विकसित हो। पर और भी कई बातें हैं जिनकी हमें चिंता होनी चाहिए।' इन 'बातों' में उन्होंने मराठी में शिक्षा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा था, 'आज मराठी स्कूल बंद हो रहे हैं और उनकी संपत्ति बेची जा रही है!' महाराष्ट्र के किसी सरकारी अधिकारी का मराठी बोल पाना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितनी यह बात कि महाराष्ट्र में रहने वाले मराठी भाषा और साहित्य के प्रति कितना आदर–भाव रखते हैं। अपनी भाषा की क्षमता में विश्वास का एक पैमाना यह भी है कि हमारे शिक्षण–संस्थानों में मराठी भाषा में क्या और कितना पढ़ाया जा रहा हैय हम में से कितने गर्व से यह कह सकते हैं कि मेरे बच्चे मराठी या गुजराती या बांग्ला या कन्नड़३ माध्यम के स्कूल में पढ़ रहे हैं? आज तो स्थिति यह है कि मुंबई से लेकर महाराष्ट्र के गांव–खेड़े तक में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुल गये हैं और उनके साथ यह जोड़ा जाना भी जरूरी हो गया है कि यह 'इंटरनेशनल स्कूल' है! इस इंटरनेशनल का क्या मतलब है, मैं नहीं जानता, पर इतना अवश्य जानता हूं कि आजादी से पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे, अब अंग्रेजी के गुलाम हो गये हैं। यह बीमार मानसिकता है। इससे उबरना ही होगा।

कोर्ट ने लक्ष्मण रेखा खींच दिखाई राह

जयसिंह

तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8 अप्रैल, 2025 को दिया गया निर्णय भारतीय संघीय ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते, उन्हें या तो मंजूरी देनी होगी, असहमति के साथ लौटाना होगा, या राष्ट्रपति के पास भेजना होगा। यह निर्णय केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यपालों के लिए एक स्पष्ट 'लक्ष्मण रेखा' खींच देने जैसा है, जिससे बाहर जाना अब संविधान की आत्मा के विरुद्ध माना जाएगा। तमिलनाडु प्रकरण और सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने केवल एक संवैधानिक संकट का समाधान नहीं किया, बल्कि एक बुनियादी सवाल भी खड़ा किया है। लोकतांत्रिक भारत में राज्यपाल की प्रासंगिकता। राज्यपाल का पद अगर लोकतंत्र के सहायक संरक्षक की भूमिका निभाए, तो वह उपयोगी हो सकता है, लेकिन जब वह केंद्र सरकार का राजनीतिक उपकरण बन जाता है, तब यह पद संविधान की आत्मा के विरुद्ध चला जाता है। आज का युग जन–जागरूकता और जवाबदेही का है। अब समय आ गया है कि हम यह मूल्यांकन करें कि क्या वाकई राज्यपाल का पद भारतीय संघीय ढांचे को मजबूत कर रहा है६? तमिलनाडु में राज्यपाल रवि ने राज्य सरकार द्वारा पारित 12 विधेयकों को महीनों तक रोके रखा, जिनमें से कई को बिना कारण बताए राष्ट्रपति के पास भेज दिया और कुछ को लौटाया भी। उन्होंने सदन के अभिभाषण के दौरान सरकार द्वारा तैयार भाषण को अधूरा पढ़ा और बीच में ही वॉकआउट कर दिया।

.... विविध ....

ये छोटी और सस्ती सी चीज चर्बी को महीने में गलाकर कर देगी बाहर

बहुत अच्छा सवाल! चिया सीड्स आजकल हेल्थ और फिटनेस के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हो चुके हैं क्योंकि ये छोटे–से बीज पोषण से भरपूर होते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि इनमें कितना प्रोटीन और फाइबर होता है और इन्हें खाने का सही तरीका क्या है।

चिया सीड्स में पोषक तत्व (100 ग्राम में लगभग)

प्रोटीन 16–17 ग्राम, फाइबर 34–35 ग्राम, वसा 30 ग्राम, ओमेगा–3 फैटी एसिड 18 ग्राम, कैल्शियम 630 मिलीग्राम, मैग्नीशियम 335 मिलीग्राम, आयरन 7.7 मिलीग्राम यानी, चिया सीड्स उच्च प्रोटीन और फाइबर स्रोत हैं और ये वजन घटाने, पाचन सुधारने और एनर्जी बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

चिया सीड्स के फायदे

चिया सीड्स का सबसे बड़ा फायदा वजन घटाने वालों को है क्योंकि फाइबर से भरपूर चिया सीड्स पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं जिससे आपको जल्दी भूख नहीं लगती और चर्बी जल्दी कम होती है। इसमें कैलोरी ना के बराबर होती है जबकि बाकी तत्व भरपूर।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं (फाइबर की मात्रा से)

लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करते हैं

वजन कंट्रोल करने में सहायक

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं (कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर)

दिल के लिए फायदेमंद (ओमेगा–3 फैटी एसिड)

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

चिया सीड्स खाने के सही तरीके

1. पानी में भिगोकर (सबसे सामान्य तरीका)रू 1 गिलास पानी में 1 चम्मच चिया सीड्स डालें। 20दृ30 मिनट भिगोकर रखें (बीज जैली जैसे बन जाते हैं)। सुबह खाली पेट या खाने के साथ पिएं।

2. दूध या स्मूदी में मिलाकर चिया सीड्स को दूध या फ्रूट स्मूदी में भिगोकर डालें। हेल्दी ब्रेकफास्ट या स्नैक के रूप में लें।

3. ओट्स या योगर्ट में ओवरनाइट ओट्स या योगर्ट में मिलाएं। टॉपिंग में फल, नट्स भी डाल सकते हैंय

4. सलाद या सूप में डालकरः बिना भिगोए भी थोड़ा–थोड़ा चिया सीड्स सलाद या सूप पर छिड़क सकते हैं।

5. चिया पुडिंग बनाएंः दूधध्प्लांट मिल्क में भिगोकर, शहद और फल मिलाकर स्वादिष्ट डेजर्ट तैयार करें।

चिया सीड्स कैसे मदद करते हैं वजन घटाने में?

1. फाइबर से पेट भरा रहता है

चिया सीड्स में बहुत ज्यादा फाइबर होता है (100 ग्राम में लगभग 34 ग्राम)। ये फाइबर पेट में पानी सोखकर जेल जैसा रूप ले लेता है, जिससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती। आप बार–बार खाने से बचते हैं और कैलोरी इनटेक कम होता है।

2. प्रोटीन से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है

चिया सीड्स में अच्छी मात्रा में प्रोटीन होता है (100 ग्राम में लगभग 16–17 ग्राम)। प्रोटीन मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और शरीर में फैट बर्निंग प्रोसेस को एक्टिव रखता है। प्रोटीन आपको एनर्जी भी देता है, जिससे आप एक्टिव रहते हैं।

3. पानी सोखने की क्षमता से पेट भरा लगता है

चिया सीड्स अपने वजन से 10–12 गुना तक पानी सोख सकते हैं। पानी सोखने के बाद ये पेट में फूल जाते हैं, जिससे आपको भूख कम लगती है और आप ओवरईटिंग से बचते हैं।

4. क्रेविंग और ब्लड शुगर कंट्रोल करता है

चिया सीड्स में मौजूद फाइबर और गुड फैट्स ब्लड शुगर को स्थिर रखते हैं। इससे अचानक लगने वाली मीठे या तले–भुने खाने की तलब (क्रेविंग) कम होती है।

ध्यान देने योग्य बातें

पहली बार खा रहे हों तो थोड़ी मात्रा से शुरू करें

सूखे चिया सीड्स को पानी में भिगोकर ही खाएं, ताकि वो पेट में फूलकर ब्लॉकेज न बनाएं।

बहुत अधिक मात्रा से कब्ज या ब्लोटिंग हो सकती है, संतुलित मात्रा में सेवन करें।

चिया सीड्स एक सुपरफूड हैं जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं।

सिर्फ लिवर नहीं आपका दिल भी हो सकता है फैटी कारण, लक्षण और बचाव

आजकल के खानपान और जीवनशैली में बदलाव के कारण फैटी लिवर एक आम समस्या बन चुकी है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हार्ट भी फैटी हो सकता है? जी हां, आपके दिल में भी फैट जमा हो सकता है, जो दिल के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। इसे एपिकार्डियल फैट एक्युमुलेशन कहा जाता है। आइए जानते हैं इस समस्या के बारे में विस्तार से।

फैटी हार्ट क्या होता है?

फैटी हार्ट उस स्थिति को कहा जाता है जब दिल के आसपास या उसके अंदर अधिक मात्रा में फैट जमा हो जाता है। यह फैट धीरे–धीरे दिल के सामान्य कामकाज को प्रभावित करता है और इसके परिणामस्वरूप हार्ट अटैक, हाई ब्लड प्रेशर, और कार्डियोवैस्कुलर डिजीज जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह समस्या उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी कि फैटी लिवर।

हार्ट में फैट जमा होने के कारण

हार्ट में फैट जमा होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख कारण

मोटापा

जब शरीर का वजन बढ़ता है, तो शरीर में चर्बी का जमा होना स्वाभाविक है, और यह फैट सिर्फ पेट या जांघों में ही नहीं, बल्कि दिल में भी जमा हो सकता है। मोटापे के कारण एपिकार्डियल फैट (दिल के आसपास फैट) का जोखिम बढ़ता है। यह फैट धीरे–धीरे दिल के कामकाज को प्रभावित करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर, दिल की धड़कन की अनियमितता और अन्य कार्डियोवैस्कुलर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मोटापे के कारण हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, स्वस्थ वजन बनाए रखना दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।

अनहेल्दी डाइट

हमारे आहार में तला–भुना, जंक फूड और वसायुक्त खाना शामिल होने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि यह दिल में फैट जमा करने का भी एक बड़ा कारण बनता है। ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का सेवन कराते हैं, जो बाद में दिल के आसपास जमा हो जाते हैं। अधिक कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस फैट वाले भोजन का सेवन भी दिल की सेहत के लिए हानिकारक है। इसके कारण, रक्त में फैट का स्तर बढ़ सकता है, जिससे दिल की धमनियों में ब्लॉकेज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इस कारण, हमें संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है, जिसमें ताजे फल, सब्जियां और हेल्दी फैट्स शामिल हों।

कम शारीरिक एक्टिविटी

आजकल की जीवनशैली में शारीरिक गतिविधि की कमी और एक स्थायी जीवनशैली एक महत्वपूर्ण कारण बन गई है, जिससे दिल में फैट जमा हो सकता है। यदि आप अधिकतर समय बैठकर काम करते हैं, जैसे ऑफिस में घंटों तक कंप्यूटर पर काम करना या टीवी देखने जैसी आदतें, तो आपके शरीर का मेटाबोलिज्म धीमा पड़ सकता है। यह शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होने का कारण बनता है, जो अंततः दिल में जमा होने लगता है। शारीरिक सक्रियता की कमी से रक्त संचार भी सही तरीके से नहीं होता, जिससे फैटी हार्ट की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि करना आवश्यक है।

डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल

डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल दो ऐसी स्थितियां हैं जो सीधे तौर पर दिल की सेहत पर असर डालती हैं। डायबिटीज की स्थिति में शरीर में इंसुलिन का असंतुलन होता है, जिससे ब्लड शुगर बढ़ जाता है, और इसके कारण दिल में फैट जमा होने की संभावना बढ़ जाती है। दूसरी ओर, हाई कोलेस्ट्रॉल रक्त में एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को बढ़ाता है, जो दिल की धमनियों में जमकर ब्लॉकेज का कारण बन सकता है।

अगर इन दोनों स्थितियों का इलाज समय पर न किया जाए तो दिल में फैट जमा हो सकता है, जिससे हार्ट अटैक और अन्य गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसीलिए, अगर आपको डायबिटीज या हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, तो नियमित रूप से इनका इलाज कराना बेहद जरूरी है।

स्मोकिंग और शराब का सेवन

स्मोकिंग और शराब का अत्यधिक सेवन दिल की सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। स्मोकिंग के कारण शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो जाता है, जिससे दिल की धमनियां संकुचित हो सकती हैं और रक्त का संचार कम हो जाता है। इसके अलावा, धूम्रपान से रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ता है, जिससे फैटी हार्ट की समस्या उत्पन्न हो सकती है। शराब के अत्यधिक सेवन से भी शरीर में वसा का जमाव बढ़ता है, खासकर पेट के आसपास और दिल में। इससे न केवल दिल में फैट जमा होता है, बल्कि यह रक्तचाप को भी प्रभावित करता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाता है। इसलिए, इन आदतों से दूर रहना दिल की सेहत के लिए जरूरी है।

फैटी हार्ट के लक्षण

फैटी हार्ट की शुरुआत में कोई विशेष लक्षण नहीं दिखाई देते। लेकिन जैसे–जैसे यह समस्या बढ़ती है, आपको निम्नलिखित लक्षण महसूस हो सकते हैंरू

सीने में भारीपन या दबाव दिल के पास चर्बी जमा होने से सीने में भारीपन महसूस हो सकता है।

जल्दी थकान शारीरिक रूप से जल्दी थकान महसूस होना।

धड़कन तेज या अनियमित होना दिल की धड़कन तेज या असामान्य हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर या हाई कोलेस्ट्रॉल इन समस्याओं का बढ़ना भी फैटी हार्ट का संकेत हो सकता है।

कैसे पता चलेगा कि आपका दिल फैटी हो चुका है?

अगर आपको लगता है कि आपके दिल में फैट जमा हो सकता है, तो आप इन मेडिकल टेस्ट्स से यह जान सकते हैंरू

ईसीजी– यह टेस्ट दिल की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को मापता है और आपको दिल की समस्या का पता लगाने में मदद करता है।

इकोकार्डियोग्राफी–

ब्लड रिपोर्ट्स – लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, और कोलेस्ट्रॉल की रिपोर्ट्स से भी दिल की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

फैटी हार्ट से कैसे बचें?

फैटी हार्ट से बचने के लिए आपको अपनी दिनचर्या और खानपान में कुछ बदलाव करने होंगे। यहां कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैंरू

हेल्दी डाइट अपनाए– अपनी डाइट में बदलाव करें और तला–भुना, जंक फूड को कम करें। ओमेगा–3 फैटी एसिड, फाइबर, फल और सब्जियां ज्यादा खाएं।

शारीरिक सक्रियता – हर रोज कम से कम 30–45 मिनट तक वॉक या एक्सरसाइज करें। योग और मेडिटेशन को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें अगर आपको उच्च रक्तचाप या कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, तो डॉक्टर की सलाह लें और दवाइयों का सही तरीके से सेवन करें।

स्मोकिंग और शराब से बचें इन दोनों आदतों से दिल पर बहुत बुरा असर पड़ता है, इसलिए इन्हें अपनी जिंदगी से बाहर करें।

फैटी हार्ट एक गंभीर समस्या है, लेकिन अगर आप समय रहते इसका इलाज और बचाव कर लें, तो इसे रोका जा सकता है। हेल्दी डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और जीवनशैली में बदलाव करके आप अपने दिल को स्वस्थ और फैट–फ्री रख सकते हैं। अपनी सेहत का ध्यान रखें और किसी भी समस्या के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

प्रदेश में बदला मौसम, कई जिलों में आंधी के साथ बारिश और ओले, 50 किमी प्रतिघंटा से चल सकती हैं हवाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में मौसम ने यू–टर्न ले लिया है। इसका असर बीती रात से दिखने लगा। कई जिलों में धूल भरी आंधी के साथ ओले गिरे। बहराइच में बड़ी साइज का ओला गिरा। आज सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से पूर्वी–तराई इलाकों के 45 से ज्यादा जिलों में गरज–चमक संग बूंदाबांदी के आसार हैं। बुधवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूर्वा हवाएं चलीं और बादलों की आवाजाही संग संतकबीर नगर, बहराइच, चुर्क आदि में छिटपुट बूंदाबांदी देखने को मिली । आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बृहस्पतिवार को पश्चिमी विक्षोभ के असर से पूर्वा और पछुआ हवा में प्रतिक्रिया होगी। इससे बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में बढ़ोतरी होगी। इससे दिन के पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट के संकेत हैं। हालांकि रात के पारे में बढ़त देखने को मिलेगी। जिन इलाकों में बारिश होगी, वहां 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चलेगी। कहीं–कहीं वज्रपात के भी आसार हैं। यूपी के विभिन्न इलाकों में बूंदाबांदी का यह दौर 13 अप्रैल तक चलने की संभावना है। बुधवार को आगरा, झांसी समेत कई जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, हमीरपुर, कानपुर, मुजफ्फरनगर आदि जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा।

लखनऊ में सुबह आठ बजे करीब मौसम पूरी तरह से बदल गया। कई हलाकों में भारी बरसात हुई। ज्यादातर हिस्सों में अंधेरा छा गया। बारिश और आंधी से कई क्षेत्रों में बिजली गुम होने की खबर है। प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। बादलों और हवा संग बदलेगा मौसम का तेवर, आज बूंदाबांदी के आसार

राजधानी में पिछले कई दिनों से चल रही उमस भरी तीखी गर्मी से बृहस्पतिवार को थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं।

पांच साजिशकर्ता बेनकाब, तीन गिरफ्तार, दिनदहाड़े की गई थी हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का 34 दिनों के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड में शामिल पांच लोगों का चेहरा बेनकाब हुआ है। साजिश में शामिल कारेदेव बाबा मंदिर के पुजारी को उनके दो परिचितों संग गिरफ्तार किया गया है। वहीं, गोली मारने वाले दो शूटरों को पुलिस ने वांछित घोषित किया है। उन्हें पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की तीन टीमों के अलावा एसटीएफ की सात टीमों ने नोएडा के आसपास डेरा डाला हुआ है। महोली निवासी पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की 8 मार्च को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हेमपुर ओवरब्रिज पर चार गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही एसपी चक्रेश मिश्र के निर्देश पर क्राइम ब्रांच निरीक्षक सत्येंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में तीन टीमों को खुलासे के लिए लगाया गया। वहीं, एएसपी डॉ प्रवीण रंजन सिंह के नेतृत्व में कुल 12 टीमों ने अपनी जांच शुरू की। 34 दिनों में एक हजार से अधिक नंबरों को रडार पर लिया गया। वहीं, सवा सौ संदिग्धों से पूछताछ की गई। टीमों ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। पुलिस ने धान सिंडिकेट, खीरी में एक शख्स से करीबी के साथ साथ कारेदेव बाबा मंदिर में राघवेंद्र संग एक पुजारी की करीबियों के एंगल पर पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी कैमरों में दो लोग कारेदेव बाबा मंदिर, राघवेंद्र के घर के आसपास और महोली कस्बे में संदिग्ध रूप से घूमते नजर आए। इन पर शक पुख्ता होते ही गहनता से जांच की गई। पूछताछ में कारेदेव बाबा मंदिर के पुजारी शिवानंद बाबा उर्फ विकास राठौर, उनके करीबी निर्मल सिंह और असलम गाजी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि राघवेंद्र के हाथ शिवानंद बाबा के कुछ ऐसे राज लग गए थे। जिससे उनकी काफी बदनामी होती। इसका जिक्र शिवानंद ने अपने करीबी निर्मल सिंह से किया। निर्मल सिंह ने असलम गाजी की मदद से दो शूटरों को राघवेंद्र की सुपारी दी। इसके बाद रेकी कर शूटरों ने राघवेंद्र की हत्या कर दी। इस हत्याकांड में पुजारी के पीछे एक सफेदपोश का हाथ होने की चर्चा है। कुछ संदिग्ध रडार पर हैं। उनकी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द पुलिस उन पर भी शिकंजा कसेगी।

पुलिस ने पत्रकार हत्याकांड का किया खुलासा, तीन गिरफ्तार, शूटरों को वांछित घोषित किया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर में आठ मार्च को हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। हत्याकांड में पांच लोग शामिल थे जिनमें से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साजिश में शामिल कारेदेव बाबा मंदिर के पुजारी को उनके दो परिचितों संग गिरफ्तार किया गया है। वहीं, गोली मारने वाले दो शूटरों को वांछित घोषित किया गया है। उन्हें पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की तीन टीमों के अलावा एसटीएफ की सात टीमों ने नोएडा के आसपास डेरा डाला हुआ है। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की 8 मार्च को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हेमपुर ओवरब्रिज पर चार गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से ही एसपी चक्रेश मिश्र के निर्देश पर क्राइम ब्रांच निरीक्षक सत्येंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में तीन टीमों को खुलासे के लिए लगाया गया। एएसपी डॉ प्रवीण रंजन सिंह के नेतृत्व में कुल 12 टीमों ने अपनी जांच शुरू की। 34 दिनों में एक हजार से अधिक नंबरों को रडार पर लिया गया। वहीं, सवा सौ संदिग्धों से पूछताछ की गई। टीमों ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। आठ मार्च को लखनऊ–दिल्ली हाईवे पर दिनदहाड़े पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी (35) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महोली के विकास नगर कॉलोनी निवासी राघवेंद्र बाजपेयी एक दैनिक समाचार पत्र में महोली तहसील के संवाददाता थे। परिजनों के मुताबिक दोपहर करीब तीन बजे उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया। इसके बाद वह बाइक से सीतापुर जिला मुख्यालय के लिए निकले। हाईवे पर इमलिया सुल्तानपुर में हेमपुर ओवरब्रिज पर बदमाशों ने उन्हें रोककर गोली मार दी। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

आईजी प्रवीण कुमार की नई काव्य पुस्तक ने सोशल मीडिया पर मचाई धूम

अयोध्या (डीकेयू लाइफ ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या मंडल के पुलिस महानिरीक्षक प्ळ प्रवीण कुमार एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई पुलिस कार्रवाई नहीं, बल्कि उनकी नवीनतम काव्य कृति है। देह मन माध्यम तुम्हारे योग का... पुस्तक ने सोशल मीडिया पर आते ही साहित्य प्रेमियों का ध्यान खींचा है।आईजी प्रवीण कुमार इससे पूर्व भी अपनी साहित्यिक अभिरुचि के लिए पहचाने जाते रहे हैं। उनकी पहली पुस्तक यह एक मन पाठकों ने खूब सराही थी। इसके बाद कुंभ जैसे विराट आयोजन पर आधारित उनके लेख पूरा कुंभ उमड़ कर आया, जहां विराजित रामलला को भी सोशल मीडिया पर सराहना मिली थी। अब एक बार फिर उन्होंने आध्यात्मिकता और योग की सूक्ष्म अभिव्यक्ति को अपनी काव्य शैली में पिरोते हुए एक गहन कृति प्रस्तुत की है।इस पुस्तक की विशेषता यह भी है कि इसका ऑडियो संस्करण उन्होंने स्वयं अपने स्वरलिपि में रिकॉर्ड कर अपने आधिकारिक और वेरीफाइड सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। मात्र कुछ ही घंटों में हजारों व्यूज और प्रतिक्रियाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवीण कुमार की लेखनी सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था में ही नहीं, जनमानस के मन में भी गूंज रही है।

दिन में छाया रात के जैसा अंधेरा, कई क्षेत्रों में भारी बारिश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह होते ही, घने काले बादलों और झोंकेदार हवाओं संग जमकर बरसात शुरू हुई। घने बादलों की मौजूदगी से दिन में ही अंधेरा छा गया। बारिश और हवाओं की वजह से तापमान गिरने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को राहत महसूस हुई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है। लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली,सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली। इस आंधी और भारी बारिश से जिन किसानों की गेहूं की फसल अभी कटी नहीं है, उनके नुकसान की आशंका है। झोंकेदार हवाओं से, गेहूं की फसल लेट जाएगी और किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है लखनऊ में गुरुवार की सुबह हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव और जाम की स्थिति बन गई। गोमती नगर के अलावा शहर के कई पॉश इलाकों में जलभराव की हालत बन गई। बारिश की वजह से पॉलीटेक्निक चौराहे सहित कई जगह पर जाम की नौबत भी बनी।

फार्मा हब बनेगा प्रदेश, यूपीसीडा और आईआईटी–बीएचयू के बीच समझौता

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भी देश का अग्रणी राज्य बनेगा। इस दिशा में राज्य सरकार ने पहल करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता बुंदेलखंड के ललितपुर जिले में यूपीसीडा की ओर से विकसित किए जा रहे फार्मा पार्क को लेकर किया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत करियांव, विकास खण्ड–मछलीशहर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 11.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11.04.2025 से 17.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 18.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
आशा किन्नर

ग्राम पंचायत अधिकारी/सचिव
प्रभात कुमार सरोज

कार्यालय ग्राम पंचायत जरौना, विकास खण्ड–मछलीशहर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो/ग्रा0पं0वि0 दिनांक – 11.04.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त आयोग/ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11.04.2025 से 17.04.2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 18.04.2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष सायः 04:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट/सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में चिह्नित होगा।

प्रधान
ममता उपाध्याय

ग्राम पंचायत अधिकारी/सचिव
प्रभात कुमार सरोज

15 अप्रैल को सीएम योगी का हरदोई आगमन

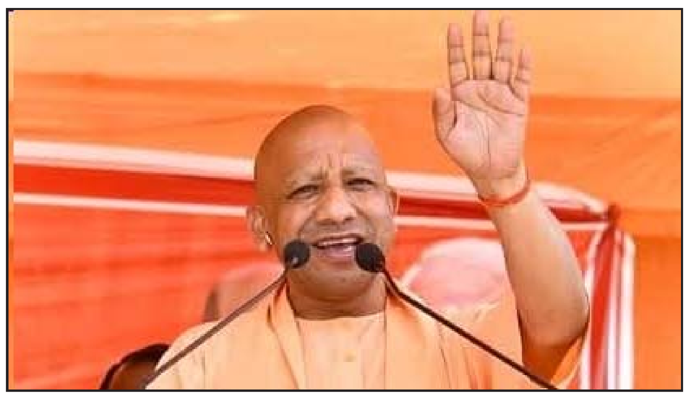

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के 15 अप्रैल को प्रस्तावित आगमन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बैठक हुई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मुख्य मंत्री के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगवाए जाएं। प्रमाण पत्र व उपकरण वितरण के लिए सूची तैयार कर ली जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के संभावित आगवन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का दौरा भी किया। मुख्यमंत्री जी के संभावित आगवन के दृष्टिगत जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कार्यक्रम स्थल रूईयागड़ी का दौरा किया। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकीरी बिलग्राम पूनम भास्कर को निर्देश दिये कि समस्त तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाये तथा कार्यक्रम स्थल के आस–पास की झाड़ियों की सफाई कराये और आवश्यकतानुसार सड़कों की मरम्मत कार्य करा लिया जाये। जिलाधिकारी ने राजा नरपत सिंह स्मारक समिति के सदस्यों के साथ तैयारियों को लेकर बातचीत की। इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

देश के सशक्तिकरण के मूल में उसकी संस्कृति उसका वैभव होते हैं– संतोष सिंह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस से चल रहे गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने नगर के गंगानगर कॉलोनी में संपर्क किया तथा जिला कार्यालय पर अभियान की समीक्षा बैठक भी की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा किसी भी देश के सशक्तिकरण के मूल में उसकी संस्कृति उसका वैभव होते हैं। भारतीय जनमानस की बहुप्रतीक्षित इच्छा उस समस्य साकार हुई जब हमारे रामलला टेंट से विशाल मंदिर में विराजमान हुए। काशी विश्वनाथ और महाकाल कॉरिडोर ने एक सुव्यवस्थित हिंदुत्व आस्था को स्वाभाविक बल दिया। महाकुम्भ 2025 के सफल आयोजन ने जहाँ पूरे विश्व को हतप्रभकिया, वहीं देश की सांस्कृतिक चेतना को जाति धर्म से परे उठाकर उसमे नई जान फूंकी है। एक स्थान से दूसरे स्थान तक सामान ले जाने या पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जहां वर्ष 2014 में 12 किलोमीटर प्रतिदिन राजमार्ग बनाए जाते थे। वहीं अब 30 किलोमीटर से अधिक प्रतिदिन राजमार्ग बनाकर लोगों को उनकी आवश्यकताओं तथा खुशियों से जोडने का काम कर रहे हैं।

मेक इन इण्डिया, स्टार्ट अप इण्डिया, स्टैंड अप इण्डिया जैसी योजनाओं से हुए आर्थिक लाभ से तो सभी परिचित है, परन्तु जब हम ध्यान से विश्लेषण करें तो इन योजनाओं से देश के स्वावलंबन को मजबूत करने के साथ ही वैश्विकता के दौर में भी आर्थिक राष्ट्रवाद का बिगुल बजाया गया है।

सागरमाला तथा सागरमाला परियोजनाएं केवल आर्थिक विकास तथा देश की अवसंरचना के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि भारत का वैश्विक कद इन योजनाओं के कारण बढ़ा है। कोविड 19 में भारत जैसे विशाल जनसंख्या को संभालने के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी भारत ने वैक्सीन डिप्लोमेसी का कुशलतापूर्वक बहन किया। जी–20 का सफल आयोजन, युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीयों की सकुशल वापसी, ब्रिक्स में सदस्यों का विस्तार, क्याड में भारत का दबदबा कुछ ऐसे बिंदु हैं जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि, भारत का वैश्विक कद सर्वकालिक रूप से उच्चतम स्तर की ओर बढ़ चुका है।

महर्षि कश्यप की तपोभूमि जम्मू एवं कश्मीर में दशकों से कई पीढ़ियां आतंक से साए में जन्मीं और आतंक के साए में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। अब घाटी की हवा बदल चुकी है, पर्यटकों से भरी वादियां जहाँ स्थानीय आर्थिक समस्याएं हल कर रही हैं वहीं अनुच्छेद 370 के उन्मूलन से कश्मीरी युवा देश की मुख्य धारा से जुडकर कश्मीर को राष्ट्रवादी चश्मे से देखने लगा है।

प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा राम बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत पूर्व जिला उपाध्यक्ष आजाद भदोरिया जिला मंत्री अविनाश पांडे जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक कार्यालय मंत्री अतुल सिंह से मीडिया प्रभारी सत्यम शुक्ला अविनाश मिश्रा मुकुल सिंह आशा आशुतोष बाजपेई अखिल सिंह चंदेल अभिषेक श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव मौजूद रहे।

राम मंदिर के सामने स्थित गेस्ट हाउस मे स्नान करती युवती का वीडियो बनाते समय धरा गया आरोपी युवक

अयोध्या। राम नगरी में शुक्रवार की सुबह संसार का करने वाली घटना ने विकास प्राधिकरण के साथ–साथ पुलिस की पोल खोल कर रख दिया।यह वाली घटना

राम मंदिर के वीआईपी गेट नंबर 3 दर्शन मार्ग के सामने स्थित एक गेस्ट हाउस की है। देखा जाए तो यह गेस्ट हाउस येलो जोन मैं आता है जहां पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होते हैं।लेकिन इस घटना ने श्रद्धालुओं के साथ होने वाली सुरक्षा को तार–तार कर दिया। वही विकास प्राधिकरण की माने तो अभी तक विभाग में 1186 पेइंग गेस्ट हाउस के साथ–साथ होटल पंजीकृत है। इसके बाद भी देखा जाए तो सैकड़ो की तादाद में केवल अयोध्या धाम तथा अयोध्या कैंट में प्रमुख चौराहा तथा गली–गली में बिना नक्शे तथा पंजीकरण के अवैध रूप से पेइंग गेस्ट हाउस के नाम पर श्रद्धालुओं से भारी भरकम वसूली भी करने से नहीं चूक रहे हैं।जिसकी खानापूर्ति बीच–बीच में विकास प्राधिकरण के अधिकारी एक दो लोगों पर कार्यवाही कर पूरी कर लेते हैं। मजे की बात तो यह है कि जो घटना जी गेस्ट हाउस में घटी उसे गेस्ट हाउस का पंजीकरण तथा मानचित्र भी विकास प्राधिकरण से नहीं स्वीकृत था।बताते चले कि वाराणसी से उक्त महिला श्रद्धालु अयोध्या में भगवान राम का दर्शन करने के लिए अपने परिवार के साथ आई थी।

रात में राम मंदिर के सामने राजा गेस्ट हाउस में वह महिला अपने परिजनों के साथ रुकी थी।सुबह जब महिला स्नान कर रही थी तो गेस्ट हाउस का कर्मचारी महिला का अश्लील वीडियो बना रहा था।महिला की नजर युवक पर पड़ी तो वह जोर जोर से चीखने लगी।इस महिला के साथ आए अन्य लोग मौके पर पहुंचे वीडियो बना रहे आरोपी को दबोच लिया।घटना की जानकारी मौके पर पुलिस को दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।पुलिस को उसके मोबाइल मे कई अश्लील वीडियो मिली हैं।जानकारी होने पर गेस्ट हाउस संचालक ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया है।गेस्ट हाउस में रुकी महिलाओं ने कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाए थे।यह गेस्ट हाउस राम जन्मभूमि के वीआईपी दर्शन मार्ग गेट नंबर तीन के सामने स्थित है। बताया गया कि आरोपी युवक शुक्रवार को सुबह छह बजे नहाते वक्त बाथरूम में महिला श्रद्धालु का वीडियो बना रहा है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला ने बताया की तहरीर मिलने पर पुलिस ने वीडियो बना रहे आरोपी सौरभ गौतम पुत्र पुत्तन लाल निवासी राधा नगर थाना पयागपुर जिला बहराइच को गिरफ्तार कर लिया है। बताया कि आरोपी घटनास्थल राजा गेस्ट हाउस के बगल में स्थित राधे राधे गेस्ट हाउस में वेटर का काम करता था। वही विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडे ने बताया इसकी जांच करवाई जा रही है।अगर गेस्ट हाउस अवैध रूप से होगा तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।बताया कि अयोध्या धाम तथाअयोध्या कैंट में स्थित अवैध रुप से संचालित गेस्ट हाउस तथा होटलों के खिलाफ बीच–बीच में प्राधिकरण द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही की जाती है।

रेलवे ट्रैक पर मिलीं अज्ञात युवक की लाश फैली सनसनी पुलिस ने शव को लिया कब्जे में पोस्टमार्टम के लिया भेजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित शिवपुर गांव के पास शुक्रवार सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई । शव वाराणसी अयोध्या रेलवे ट्रैक के बगल लावारिस हालत में पड़ा हुआ था । मृत युवक के दोनों हाथ बंधे हुए थे । इसके अलावा एक आंख बुरी तरह चोटिल थी और कई जगह कटे के निशान से । सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और छानबीन में जुट गई है । थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरैयामोड़ के पास शिवपुर गांव में रेलवे ट्रैक के किनारे लोगों ने लगभग 40 वर्षीय युवक की लाश देखी तो हड़कंप मच गया ।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर तलाशी ली लेकिन मृतक से जुड़ी कोई पहचान नहीं मिल पाई । इस मामले में क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि स्टेशन मास्टर द्वारा सूचना मिली कि किसी ट्रेन से टकराकर एक अज्ञात युवक की मौत हुई है और शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला है । सीओ ने बताया कि युवक के दोनों हाथ गमछे से बंधे हुए थे इसलिए पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है । फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ।

कोर्ट के आदेश पर नौ लोगों पर दर्ज हुआ धोखाधड़ी का मुकदमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सीजेएम जौनपुर के आदेश पर पुलिस ने नौ लोगों के विरूद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है।मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी है। जलालपुर थाना क्षेत्र के सुरहूर गांव निवासी साधना पत्नी अरूण कुमार सिंह जो कि महाराष्ट्र के थाणे जिले में रहती हैं।उनके द्वारा सीजेएम जौनपुर के न्यायालय में वाद दायर कर आरोप लगाया है कि उनके द्वारा जफराबाद थाना क्षेत्र के जगदीश पुर स्थित एक जमीन का बैनामा 25 नम्बर 2011 को प्रसिद्ध नारायण उर्फ झगडू से लिया गया था। बैनामा के बाद उसने उक्त जमीन की बाउन्ड्रीवाल भी करा रखी थी। चकबन्दी प्रक्रिया के चलते रहते रहने के दौरान उक्त आराजी के सरकारी अभिलेख में उसका नाम नही अंकित हो सका। विक्रेता प्रसिद्ध नारायण के नाम से ही जमीन चलती रही। 2018 में मामला संज्ञान में आने पर उसके द्वारा चकबन्दी न्यायालय में नामांतरण का वाद दायर कर अपने नाम अंकित होने का आदेश भी करा दिया। पर उस वक्त चकबन्दी प्रक्रिया समाप्त होने के कारण साधना का नाम सरकारी अभिलेख पर अंकित न हो सका। इधर 2019 में प्रसिद्ध नारायण की मृत्यू हो गयी। और उनके वारिसानो ने अपना नाम अभिलेख पर अंकित करा लिया। और उक्त अराजियात को एक अन्य महिला सोनी देवी को बेच दिया। घटना 25 अगस्त 2024 की है उक्त जमीन की दूसरी खराददार सोनी देवी अपने लोगों के साथ उक्त अराजियात की बाउन्ड्री वाल को तोड़ने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसे गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। साधना ने इस मामले से सम्बन्धित एक वाद सी.जे.एम के न्यायालय में दायर किया गया था। वृहस्पतिवार को सी.जे.एम. के आदेश पर जफराबाद थाना पुलिस ने नौ के विरूद्ध धोखाधड़ी व कूटरचना से सम्बन्धित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव का कहना है कि सी. जे.एम. के आदेश पर केस दर्ज हुआ है आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

‘जिलाधिकारी ने पोषण पंखवाडा रैली का शुभारम्भ कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर किया’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘शाहजहाँपुर’ जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह द्वारा बाल विकास विभाग के अन्तर्गत 08 अप्रैल, 2025 से 22 अप्रैल, 2025 तक मनाये जा रहे पोषण पंखवाडा रैली का शुभारम्भ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर किया गया।

पोषण पखवाड़ा हेतु 04 थीम निम्नवत् है–

1– जीवन के प्रथम 1000 दिवस गर्भावस्था से लेकर शिशु के जन्म के प्रथम 02 वर्ष में विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित किया जाना।

2– लाभार्थी माड्यूल का लोकप्रियकरण।

3– कुपोषण प्रबन्धन के लिए सीमएएएम मॉड्यूल का क्रियान्वयन।

4– बच्चों में मोटापे की रोकथाम के लिए स्वस्थ जीवनशैली।

पोषण पखवाडा के दौरान जिले के साथ–साथ ब्लाक स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तरध्आंगनबाडी केन्द्रों पर विभिन्न पोषण सम्बन्धी गतिविधियां यथा वजन दिवस, पोषण रैली, गृह भ्रमण, पोषण मेला, हाट बाजार, एनीमिया शिविर, समुदाय आधारित गतिविधि, प्रभात फेरी, साइकिल रैली, पौधा रोपड़ पोषण वाटिका, योग सत्र, महिला स्वयं सहायता समूह, महिला युवा समूह की बैठके आदि आयोजित किया जाना है। पोषण से सम्बन्धित कन्वर्जेन्स विभागो यथा–बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, खाद्य एवं रसग, ग्राम्य विकास, कृषि, युवा एवं खेल, आयुष, आवास एवं शहरी नियोजन, स्किल डेवल्पमेन्ट, सामाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण विभागो आदि द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

रैली में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, शहर, जिला समन्वयक (पोषण अभियान), समस्त मुख्य सेविकाएं परियोजना शहर व शहरी क्षेत्र की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाएं उपस्थित रही।

दुर्घटना में दो छात्रों की मौत पर 28 लाख रुपए क्षतिपूर्ति का आदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर में बिना पार्किंग लाइट के रात में रोड पर खड़ी ट्रक में पीछे से टकराए बाइक सवार दो छात्रों की मौत के मामले में एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने ट्रक चालक की पूर्ण लापरवाही माना। कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान ट्रक की बीमा कंपनी को आदेश दिया कि छात्रों के माता–पिता को मय ब्याज 28 लाख रुपए क्षतिपूर्ति 2 माह के भीतर अदा करें। मछलीशहर के छाछो ग्राम निवासी सिद्धांत गौतम(19) रत्नेश(19) 4 वर्ष पूर्व बाइक से खाखोपुर से वापस आ रहे थे।रात 2रू40 बजे जब वे जहांसापुर पहुंचे तभी सड़क पर लापरवाहीपूर्वक,बिना पार्किंग लाइट खड़ी डीसीएम ट्रक में टकरा गए जिससे सिद्धांत की मौके पर एवं रत्नेश की दौरान इलाज मृत्यु हो गई।दोनों बीए तृतीय वर्ष के छात्र थे। ट्रक चालक पर एफआईआर दर्ज हुई व चार्जशीट दाखिल हुई।मृतक सिद्धांत की मां शीला व रत्नेश के पिता गुलाबधर ने अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव व बृजेश निषाद के माध्यम से क्लेम ट्रिब्यूनल में ट्रक के मालिक,चालक व बीमा कंपनी के खिलाफ क्षतिपूर्ति का दावा दाखिल किया। सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट की विधि व्यवस्थाओं का हवाला दिया गया कि यदि कोई बड़ा वाहन रात में बिना इंडिकेटर,पार्किंग लाइट, ब्लिंकिंग लाइट या बिना किसी संकेतक का प्रयोग किए सड़क पर वाहन खड़ा करता है और यदि कोई छोटा वाहन उसमें पीछे से टकराता है तो खड़े वाहन के चालक की पूर्ण लापरवाही मानी जाएगा। इस मामले में डीसीएम चालक मो. सरफराज ने पुलिस को यह बयान भी दिया था कि वह सड़क पर ट्रक खड़ी करके फ्रेश होने गया था, डीपर नहीं जलाया था।कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद ट्रक चालक की पूर्ण लापरवाही माना। ट्रक की बीमा कंपनी को आदेश दिया कि मृतक के परिजनों को क्षतिपूर्ति अदा करें।

कांग्रेस पार्टी ने निजी स्कूल और कॉलेजों में मनमानी फीस वृद्धि के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को निजी स्कूल और कॉलेजों में मनमानी फीस वृद्धि के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में चक्कर लगाते हुए उच्च शिक्षा मंत्री और सरकार विरोधी नारे लगाए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक परेशान हैं। बढ़ी हुई फीस के कारण वे बच्चों का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। इसमें मांग की गई है कि जिला प्रशासन मनमानी करने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करे। कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा है। जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि निजी विद्यालयों में लूट मची हुई है। स्कूल फीस के नाम पर डोनेशन ले रहे हैं। अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के स्कूलों में अलग–अलग फीस वसूली जा रही है।

जय बाबा अमरनाथ बर्फानी का वार्षिक यात्रा 3 जुलाई से प्रारंभ होकर के 9 अगस्त तक – अजय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर जय बाबा अमरनाथ बर्फानी भूखे को अन्न प्यासे को पानी जय बाबा अमरनाथ पर अपनी सेवा समिति सूतहटी बाजार जौनपुर, के सेवादार अजय वर्मा अज्जू जी ने बताया कि जय बाबा अमरनाथ बर्फानी का वार्षिक यात्रा 3 जुलाई 2025 से प्रारंभ होकर के 9 अगस्त 2025 तक चलेगा जिन भक्तों को अमरनाथ जी की यात्रा करना है यात्रा का पंजीकरण बैंक से ,मेडिकल जिला अस्पताल जौनपुर में शुरू हो गया है यात्रा से संबंधित रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण आप लोग जिला अस्पताल जौनपुर से कर सकते हैं यात्रा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी तीर्थराज गुप्ता मोबाइल नंबर 9235229740 ,धर्मपाल मोबाइल नंबर 9333091744, अजय वर्मा अज्जू मोबाइल नंबर 9919598921 से संपर्क कर यात्रा से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जय भोले जय भोले

‘जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई राजनीतिक दलों की बैठक’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ शुक्रवार को विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ बैठक हुई। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों से कहा कि बीएलए की तैनाती कर सूची जल्द निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाये। निर्वाचन कार्यालय को निर्देश दिए कि सभी सूचनाएं राजनीतिक दलों को ससमय उपलब्ध करायी जाएं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में बीएलओ व बीएलए एक दूसरे का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए गहन पुनरीक्षण अभियान की तैयारी प्रारम्भ कर दी जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय जफराबाद के बच्चो ने निकाली स्कूल चलो अभियान रैली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अभिनव प्राथमिक विद्यालय जफराबाद मे सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गयी द्य रैली को खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी श्री अमरेश कुमार सिंह और प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष श्री अरविन्द शुक्ला ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया द्य भ्रमण के दौरान बच्चों ने स्कूल चलो अभियान से संबंधित पढ़ेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया जैसे विविध स्लोगन बोलते हुए लोगो को नामांकन के लिए प्रेरित किया द्य इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि अधिक से अधिक नामांकन शिक्षकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी है । इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने लोगो से अपील किया कि सबसे योग्य शिक्षक सरकारी स्कूलों में है , बेहतर भविष्य के लिए अपने बच्चों का अपने नजदीकी सरकारी स्कूलों में नामांकन कराएं । स्कूल चलो अभियान के पश्चात खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी श्री अमरेश कुमार सिंह द्वारा बच्चों को पुस्तक वितरण किया गया द्य कार्यक्रम में विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका निवेदिता श्रीवास्तव,साजेश सिंह मालविका सिंह, शुक्ला ने और संचालन लक्ष्मी कांत सिंह ने किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।